RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना

समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 1 अंक 8 | मूल्य - रू.1/- | अगस्त 2016 | पृष्ठ - 8

AMBITIOUS APPROACH
BRAVE CAPTAIN
COMMITMENT TO THE CAUSE
DELEGATION SKILL
EFFICIENT LEADER
FAITHFUL TO PEOPLE
GOOD HEARTED SOLDIER
HONEST IN ENDEAVORS
INTEGRITY OF THOUGHT & ACTION
JUDICIOUS CHOICES
KNOWLEDGE SAVVY
LAWFUL FIGHTER
MODEST SIMPLICITY
NATURAL MOVER
OBSERVANT CHANGE AGENT
POSITIVE THINKER
QUICK DECISION MAKER
RESPONSIBLE SOCIAL ACTIVIST
SOCIALIZES WITH SENSE OF HUMOR
TEMPTED BY CHALLENGES
UNPARALLELED SELF DRIVE
VIBRANT THINKING
WORKAHOLIC TITAN
XENODOCHIAL
YOUNG IN 60s
ZESTFUL TASK MASTER

Founder's Day Special issue

The ABC of Blessed to Serve;
salute to this personality for whose description A to Z alphabets are not enough.

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2

प्राकृतिक आपदाओं में
श्री. शांतीलालजी मुथ्था की
विशेष कार्यशैली.....4

जैन शिक्षण संस्थाओं के
संगठन का निर्माण.....5

बीजेएस गतिविधियाँ.....6

अल्पसंख्यक सूचनाएँ,
गतिविधियाँ एवं समाचार.....7

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

अगस्त के इस मासिक अंक को आपके हाथों में देकर अत्यंत ही प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ. इस माह राष्ट्रीय पर्व 'स्वतन्त्रता दिवस' जहाँ हमें उन शहीदों एवं स्वतन्त्रता सेनानियों के स्मरण एवं उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करने का अवसर प्रदान करता है, वही भारतीय जैन संघटना के संस्थापक परम आदरणीय श्री.शांतीलालजी मुथ्था का जन्म दिवस मनाने का भी अवसर प्राप्त होता है.

जन्म दिवस पर आदरणीय श्री मुथ्थाजी को हम सभी की तरफ से हार्दिक - हार्दिक शुभकामनाएं एवं अभिनन्दन प्रेषित कर रहा हूँ. मुझे प्रसन्नता है कि यह अंक श्री मुथ्थाजी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में उन्हें समर्पित किया है.

श्री शांतीलालजी मुथ्था सामाजिक उद्यमी हैं जो गत 30 वर्षों से समाज उत्थान एवं विकास के कार्यों में संलग्न हैं. अति सामान्य स्थितियों से ऊपर उठते हुए, आपने यह महसूस किया कि उद्यमिता की अनंत शक्तियों से समाज में सकारात्मक परिवर्तनों का बीजारोपण संभव है.

श्री मुथ्था ने BMCC, पुणे से स्नातक डिग्री प्राप्त की. आपने मात्र 31 वर्ष की आयु में विकास पा रहे उनके स्वयं के जमीन-जायदाद के व्यवसाय को आत्मा की आवाज़ पर दरकिनार करने के साथ भारतीय जैन संघटना नामक बिन-राजनीतिक, धर्मनिरपेक्ष, बिन लाभकारी सामाजिक संगठन की स्थापना वर्ष 1985 में "सभी के सहयोग से समाज के सम्पूर्ण उत्थान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण" के उद्देश्य से की. आपने गत 3 दशकों में समाज हेतु वृहद-स्तरीय जमीनी सेवाओं में ही नहीं अपितु नीतिगत वैचारिकीय प्रक्रियाओं एवं निर्णयों में संतुलित वर्चस्व हासिल किया है. आपके द्वारा स्थापित की गई त्रिस्तरीय कार्यप्रणाली में, प्रथम राष्ट्रीय समस्याओं की शिनाख्त करना, द्वितीय सरकारी प्रभाव से दूर रहकर समस्याओं के निदान हेतु कार्यक्रमों का निर्माण करना व तृतीय निर्मित किए गए कार्यक्रमों को क्रियान्वयन के पश्चात्-अनुकरणीय मॉडेल के रूप में सरकार को बिना मूल्य प्रस्तुत करना. इस तरह समाज विकास, विद्यालयी शिक्षण की गुणवत्ता विकास, मूल्यवर्धित शिक्षण व आपदा प्रबंधन में श्री मुथ्था राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं. आपके दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय जैन संघटना को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के व्यक्तियों एवं संगठनों से उत्कृष्ट कार्यों हेतु अनेक पुरुस्कार एवं सराहना प्राप्त हुई है.

आपको सामाजिक क्षेत्र के कार्यों, विशेषकर "सामूहिक विवाह" की अवधारणा के प्रणेता के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है व अब सामूहिक विवाह को सभी जातियों ने देश भर में स्वीकार किया है.

आपके द्वारा हाथ मे लिए गए सामाजिक कार्य जैसे - युवती सक्षमीकरण, सामाजिक दूषण समान दहेज प्रथा का उन्मूलन, भ्रूण हत्या से घटती लड़कियों की संख्या व इससे समाज में बढ़ रहे असंतुलन पर जन जागृति, जन्म से कटे होंठ व चिपके हुए तालु आदि की बिना मूल्य प्लास्टिक सर्जरी से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में शिविरों का आयोजन आदि जो कभी कार्यक्रम के रूप मे प्रारम्भ किए गए, अब अभियान का स्वरूप धारण कर चुके हैं.

प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्यों का श्रीगणेश श्री मुथ्था ने वर्ष 1993 में लातूर (महाराष्ट्र) में आए भूकंप से किया. आपदा प्रबंधन में अत्यंत ही प्रभावशाली तरीके से संपादित किए गए कार्यों की सराहना भारत सरकार से प्रतिसाद स्वरूप प्राप्त हुई है. अनेक राज्य सरकारों एवं केंद्र सरकार ने भारतीय जैन संघटना से आपदा प्रबंधन में आवश्यक करार करने हेतु पहल की है. भारतीय जैन संघटना देश का प्रथम व एक मात्र सामाजिक संगठन है जिससे नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने वर्ष 2005 में करार किया. IIM रायपुर ने नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के साथ संयुक्त रूप से मानवीय उत्कृष्ट सेवाओं हेतु भारतीय जैन संघटना को ICHL 2013 से सम्मानित किया. आपदा प्रबंधन में भारतीय जैन संघटना के अमूल्य योगदान हेतु लोकसभा में प्रशंसा की गई.

श्री मुथ्था ने प्राकृतिक आपदा पीड़ित हजारों नन्हें-मुन्नों के जीवन को रोशन किया है. आपने यह महसूस किया कि भूकंप पीड़ित इन छोटे-छोटे बच्चों के शैक्षणिक पुनर्वसन से इन्हें अपराध जगत में जाने से बचाया जा सकता है. इस हेतु पुणे (महाराष्ट्र) के वाघोली में शैक्षणिक पुनर्वसन केंद्र स्थापित किया गया और लातूर-उस्मानाबाद भूकंप पीड़ित 1200 बच्चों को वर्ष 1993 में, आदिवासी क्षेत्र मेलघाट एवं कोसबड़ (महाराष्ट्र) के कुपोषणग्रस्त 300 बच्चों एवं मराठवाड़ा (महाराष्ट्र) के आत्महत्याग्रस्त किसान परिवारों के 700 बच्चों को स्थानांतरित किया गया. यहाँ इन सभी बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य (शारीरिक एवं मानसिक) परीक्षण आदि की सम्पूर्ण एवं स्थायी व्यवस्थाएँ पिछले अनेक वर्षों से जुटाई गई हैं.

वाघोली शैक्षणिक पुनर्वसन केंद्र से सम्पूर्ण शिक्षा प्राप्त कर निकले ये युवा मात्र आज स्वावलंबी ही नहीं हैं, अपितु राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में जुड़े हैं व किसी भी आपदा के समय सेवाएँ देने हेतु तत्पर रहते हैं.

श्री मुथ्था ने वर्ष 2002 से स्वयं की सम्पूर्ण शक्तियों को शिक्षा के क्षेत्र में लगा दिया है. वर्ष 1985 से 2002 तक 17 वर्ष के सामाजिक उत्थान विकास एवं आपदा प्रबंधन के दीर्घ अनुभव से उन्हें यह अनुभूति हुई कि सामाजिक दूषणों का रामबाण इलाज मात्र शिक्षा है, जिससे वृहद - स्तर पर देशवासियों को सशक्त किया जा सकता है. अतः आपने विद्यालयों की

राष्ट्रीय अधिवेशन का विहंगम दृश्य,श्री मुथ्था संबोधित करते हुए

सत्य मेव जयते फेम एवं लोकप्रिय अभिनेता श्री आमिर खान के साथ श्री मुथ्था

625 जोड़ों के सामूहिक विवाह का विहगंम दृश्य

संत दलाईलामा के हस्ते "दिवाली बेन मेहता" परुस्कार ग्रहण करते हुए श्री मुथ्था

सर्वोत्कृष्ट NGO हेतु "WANGO" प्राप्त करते हुए

प्रसिद्ध सिने अभिनेता श्री अमिताभ बच्चन से "Giants Group" अवार्ड प्राप्त करते हुए

शैक्षणिक पुनर्वसन हेतु वाघोली प्रकल्प, पुणे लाये गये आत्महत्याग्रस्त किसान परिवार के बच्चों के साथ श्री मुथ्था

गुणवत्ता सुधारने की पहल पर आपका सारा ध्यान केन्द्रित किया. आपके कुशल नेतृत्व में भारतीय जैन संघटना ने एज्यूकेशनल क्वालिटी ईंप्रूवमेंट कार्यक्रम (EDUQIP) का निर्माण एवं क्रियान्वयन देश के सरकारी व निजी विद्यालयों में लागू किया. आपने मूल्य आधारित शिक्षा 'मूल्यवर्धन' पाठ्यक्रम का निर्माण किया जो वर्ष 2009 से 450 से अधिक प्राथमिक शालाओं में पढ़ाया जा रहा है.

आपका दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा में सुधार लाने हेतु तकनीकी की महत्वपूर्ण भूमिका है. श्री मुथ्था के अनुसार "यदि हमें राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाना है तो आधुनिक तकनीकी को विविध माध्यमों से उन्हें सीखने व सीखाने तथा स्वविकास हेतु जोड़ने की आवश्यकता है" मुख्य रूप से पारंपरिक कक्षागत शिक्षण पद्धति से डिजिटल लर्निंग एनवायरमेंट में परिवर्तन से वास्तविक व्यक्तिगत ज्ञान पद्धति को बढ़ावा प्राप्त होगा. इन आवश्यकताओं के आधार पर श्री मुथ्था ई-फ्रेंडली लर्निंग हेतु ऐसे मंच के विकास में लगे हैं जिसे आसानी से समझा व प्रयोग किया जा सके.

श्री मुथ्था ने एक और संस्था "शांतीलाल मुथ्था फाऊंडेशन" स्थापित की है, जिसके उद्देश्य मुख्यतः विद्यालयों की गुणवत्ता विकास एवं मूलवर्धन शिक्षा को सम्पूर्ण देश में लागू करना है. उपलब्ध संसाधनों के प्रयोग, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारों के साथ भागीदारी व सरकारी महकमे में उनके व्यक्तिगत प्रभाव आदि से वे इस अभियान को आगे बढ़ाना चाहते हैं. महाराष्ट्र सरकार से वर्ष 2015 में करार कर महाराष्ट्र के 34 जिल्हों के 600 से अधिक विद्यालयों में मूल्यवर्धन शिक्षण प्रारम्भ हुआ है.

श्री मुथ्था को सराहना के अतिरिक्त व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त हुई है. आपको वर्ष 1992 स्व. प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की स्मृति में स्थापित "नेशनल यूथ अवार्ड" से सम्मानित किया गया. माननीय संत दलाई लामा के करकमलों से श्री मुथ्था को "दिवालीबेन मोहनलाल मेहता" सम्मान प्राप्त हुआ. इसके अतिरिक्त आपको अनेक "लाईफ टाईम एचीव्हवमेंट अवार्ड" एनायत हुए हैं. अभी हाल ही में आपको "जीवन साधना गौरव पुरुस्कार 2016" से सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे द्वारा सम्मानित किया गया. आईये! हम सब मिलकर परमपिता परमात्मा से उनके कुशल स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं शतायु होने की प्रार्थना करें.

इस अंक में कुछ नियमित कॉलम जैसे - 'प्रतिभाएं जो हमारी प्रेरणा स्त्रोत है' आदि स्थल अभाव में प्रकाशित नहीं कर सकेंगे. सम्पूर्ण देश के जैन समाज के हम सभी सदस्यों को स्वयं के हित में संघटित जैन समाज की रचना करनी है. सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सजगता प्राप्त करते हुए राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में जुड़ने का आह्वान, मैं आपसे कर रहा हूँ.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

गुजरात भूकंप के पश्चात् 90 दिनों में 368 स्कूलों का निर्माण कर लोकार्पण समारोह में प्रधानमंत्री आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी के साथ श्री मुथ्था

FJEI के गुजरात राज्य के अधिवेशन उद्घाटन समारोह में श्री. नवलकिशोर शर्मा एवं श्री नरेन्द्र मोदी के साथ श्री मुथ्था

कश्मीर के भूकंपग्रस्त 500 बच्चों को शैक्षणिक पुनर्वसन हेतु पुणे विदा करते समय उपस्थित श्रीमती सोनिया गाँधी के साथ श्री मुथ्था

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुवाँ जैन, अहमदाबाद

सदस्य: कैलाशमल दुगड़, चैन्नई, सुरेश कोठारी, अहमदाबाद, सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर, महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

प्राकृतिक आपदाओं में श्री शांतीलालजी मुथ्था की विशेष कार्यशैली

आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था के प्रेरणास्पद जीवन का सार ही उस शक्ति का संचय है जो समाज एवं उसके सदस्यों हेतु उपयोगी हो. आप असाधारण दृष्टी के स्वामी हैं जो सदैव ही राष्ट्र निर्माण की कल्पना में रचे रहते हैं. जैन समाज द्वारा विवाह उत्सवों में किये जाने वाले अनावश्यक खर्च व भव्यता के प्रदर्शन की स्थापित हो रही परम्पराओं से समाज को मुक्त कराने के उद्देश्य से मुथ्थाजी ने सामूहिक विवाह की अवधारणा वर्ष 1986 में प्रस्तुत की, जिसके साथ ही आपका सामाजिक सेवाकीय जीवन में प्रवेश हुआ. इसके पश्चात् मुथ्थाजी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. वर्ष 1993 से अब तक अविरत रूप से प्राकृतिक आपदाओं में देश भर में मुथ्थाजी कार्यरत रहे हैं. दूरदर्शी अभिगम, प्रदर्शन रहित, निष्ठा एवं ईमानदारी पूर्ण कार्य को इंगित करते, आपके व्यक्तित्व के कुछ निम्न महत्वपूर्ण पहलू हैं :

BJS वाघोली शैक्षणिक पुनर्वसन प्रकल्प, पुणे

1. भरपूर व्यावहारिकताओं एवं संवेदनशीलताओं से युक्त व्यक्तित्व का नाम ही शांतीलाल मुथ्था है. वर्ष 1993 में आये लातूर भूकंप में आपने व आपकी टीम ने आवश्यक राहत एवं बचाव कार्य तो किया ही साथ ही भूकंप प्रभावित हजारों लोगों को गर्म भोजन, दवाईयाँ, मलवे की सफाई व दाह संस्कार आदि कार्य किये. भूकंप के फलस्वरूप मानसिक आघात से पीड़ित व अनाथ हुए बड़ी संख्या में बच्चों को आपने देखा. त्वरित निर्णय से आपने 1200 बच्चों को पुणे स्थानांतरित कर उनकी सम्पूर्ण शैक्षणिक जवाबदारियों को उठाने का संकल्प लिया, क्योंकि आपकी दूरदृष्टि यह कह रही थी कि ये बच्चे शिक्षा से वंचित होकर मजबूरी में अपराधी बन सकते हैं. समाज के प्रति इतनी मार्मिक संवेदना मुथ्थाजी जैसे व्यक्तित्व में ही हो सकती है.

वाघोली प्रकल्प में राष्ट्रपति माननीय ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ श्री मुथ्था

वाघोली प्रकल्प में आदिवासी बच्चों के साथ श्री मुथ्था

2. एक कुशल सामाजिक नेतृत्वकार के रूप में वे स्वयं की गलतियों को स्वीकारने में झिझक महसूस नहीं करते हैं व अधिक सकारात्मक तरीकों से सदैव आगे बढ़ने में विश्वास रखते हैं, चाहे वह क्षेत्र सामाजिक विकास के कार्यों का हो या फिर आपदा प्रबंधन का.

3. आदिवासियों एवं कुपोषणग्रस्त आदिवासियों के बच्चों के शिक्षण की व्यवस्थाओं हेतु पुणे स्थानांतरित कर उनकी सम्पूर्ण शैक्षणिक जवाबदारियाँ स्वीकारना, उनकी इस सोच की द्योतक हैं कि सामाजिक आपदाएं किसी भी स्थिति में प्राकृतिक आपदाओं से कम भीषण नहीं होती हैं. ऐसी गंभीर व उत्तरदायी वैचारिकी किसी वरिष्ट सामाजिक वैज्ञानिक की ही हो सकती है.

4. प्राकृतिक आपदाओं में किये जाने वाले राहत कार्यों में मुथ्थाजी "गति" को प्राधान्यता देते हैं. आप ऐसे व्यक्तित्व के धनी हैं जो असाधारण रूप से मात्र सोचते ही नहीं है अपितु उसे यथार्थ कर दिखाते हैं. बी.जे.एस. द्वारा गुजरात भूकंप में मात्र 90 दिनों में प्री-फेब्रिकेटेड सामग्री से निर्मित 368 अस्थाई विद्यालय भवनों का प्रयोग चार वर्ष पश्चात् पूर्ण हुआ क्योंकि तब तक गुजरात सरकार ने नए विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया था, अतः इन अस्थाई निर्माण की समस्त सामग्री को जम्मू - कश्मीर में वर्ष 2005 में आये भूकंप में 15000 से अधिक लोगो को आश्रय प्रदान करने के लिए तीन विशेष मालगाड़ियों से जम्मू स्थानांतरित किया गया, जो भारत देश के इतिहास में ऐसी सामग्री के पुनः प्रयोग की सर्व प्रथम घटना बनी. ऐसे अद्वितीय व क्रांतिकारी विचारों को मूर्तरूप देने में मुथ्थाजी को महारथ हासिल है.

BJS व्दारा गुजरात में निर्मित स्कूल भवन के समक्ष विद्यार्थियों का समूह

NDMA के वाईस चेयरमेन जनरल एन.सी. विज एवं अन्य अधिकारियों के साथ श्री मुथ्था

5. मुथ्थाजी एक विश्वस्त व्यक्तित्व हैं. यही कारण है कि आपके पास कार्यकर्ताओं का असाधारण बल है. मात्र उनके अनुयायी ही नहीं अपितु सरकार भी उन पर विश्वास करती है. वर्ष 2005 में नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने आपके साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये हालांकि मुथ्थाजी किसी भी तरह के राजनीतिक प्रभाव का प्रयोग करने में विश्वास नहीं रखते. NDMA का किसी भी सामाजिक संस्था से इस विषय में करार करने, की प्रथम घटना थी.

दृढ़ संकल्प, ठोस योजना निर्माण, द्रुत एवं गतिशील सोच एवं युक्ति पूर्ण सकारात्मक वैचारिकी आपके विनम्र व्यक्तित्व की विशेषताएँ हैं. मुथ्थाजी प्राकृतिक आपदाओं में सामाजिक पहलुओं को प्राध्यानता देकर राहत कार्य करने वाले सम्पूर्ण देश में अनोखे सामाजिक नेतृत्वकार हैं.

जैन शिक्षण संस्थाओं के संगठन का निर्माण

आधुनिक युग में शिक्षा के बढ़ते महत्व से हम सभी परिचित हैं. शिक्षण क्षेत्र अब प्रतिदिन नए रूप में परिभाषित होने लगा है व शिक्षा सफलताओं का पैमाना बन गयी है. बदलते समय में अब व्यक्ति किसी भी वर्ग का हो उसकी संतानों को श्रेष्ठ शिक्षण दिलवाने का प्रयत्न करता है. आज शिक्षा को निवेश के रूप में देखा जाने लगा है.

FJEI का प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन, जलगाँव के मंच का दृश्य

जैन समाज की सम्पूर्ण देश में लगभग 2500 शिक्षण संस्थाए हैं जो प्रतिवर्ष लाखों की संख्या में विद्यार्थियों को शिक्षण प्रदान करती हैं. आदरणीय शांतीलालजी मुथ्था ने अध्ययन किया कि ये शिक्षण संस्थाएं चेरिटी के उद्देश्य के साथ दशकों पूर्व स्थापित की गयी व आज भी परम्परागत रूप में कार्यरत हैं. किन्तु चेरिटी एवं क्वालिटी दो अलग पहलू हैं. अतः मुथ्थाजी ने जैन समाज की इन शिक्षण संस्थाओं को समय के अनुरूप विकासशील बनाने का निर्णय लेते हुए फेडरेशन ऑफ़ जैन एज्युकेशन नामक संस्था का निर्माण वर्ष 2002 में किया. एक सुनियोजित अभियान के तहत् विशेष उद्देश्यों के साथ देश की इन समस्त 2500 शिक्षण संथाओं को फेडरेशन का हिस्सा बनने हेतु संपर्क किया गया. मुथ्थाजी ने उन्हें आश्वास्त किया कि फेडरेशन की कार्य प्रणाली में शिक्षण संस्थाओं की स्वायत्ता बरकरार रहेगी, देश की प्रचलित शिक्षण प्रणाली में किसी तरह का परिवर्तन हम नहीं करेंगे व उनकी संस्थाओं में फेडरेशन किसी भी पद प्रतिष्ठा से दूर रहेगा. इस क्रांतिकारी अभियान में अधिकांश शिक्षण संस्थाओं ने सहभागिता की. फेडरेशन के उद्देश्यों के तहत् विभिन्न एवं विविध कार्यक्रमों का निर्माण किया गया जिसे EDUQIP नाम दिया गया, शिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता में वृद्धि, उपलब्ध अवसंरचना (infrastructural) का अधिकतम उपयोग, School Assessment and Accreditation, Value education, शिक्षक एवं आचार्यों का सशक्तिकरण/प्रशिक्षण व Student & Teachers assessment कार्यक्रम मुख्य हैं. इसमें शिक्षण संस्थाओं के ट्रस्टियों के सशक्तिकरण की मुथ्थाजी की क्रांतिकारी वैचारिकी से ट्रस्टियों के vision में व्यापक परिवर्तन आया जो फेडरेशन के उद्देश्यों के अंतर्गत शिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता सुधारने में कारगर रहा है.

मुथ्थाजी का दृढ़ विश्वास है कि यह 2500 शिक्षण संस्थाएं जैन समाज की ही नहीं अपितु सम्पूर्ण देश की पूंजी है जिसमें भावी पीढ़ियों को निरंतर रूप से शिक्षित कर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में जैन समुदाय का अंशदान गुणवत्तापूर्ण तरीके से सुनिश्चित हो रहा है. इसके अतिरिक्त भारत सरकार की नीतियों का लाभ जैसे-कौशल भारत योजना व अल्पसंख्यक लाभ आदि दिलवाने में फेडरेशन की रचनात्मक भूमिका मुथ्था जी के नेतृत्व में सुनिश्चित की जा रही है.

2004 में FJEI का द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन, बैंगलोर का दृश्य

बीजेएस गतविधियाँ

तीन राज्यों में बी.जे.एस. राज्य पदाधिकारियों की सभा संपन्न

गुजरात, कर्नाटक एवं राजस्थान की राज्य पदाधिकारी सभा क्रमशः अहमदाबाद 17 जुलाई, शिमोगा 24 जुलाई एवं उदयपुर 31 जुलाई, 2016 को सम्पन्न हुई. अहमदाबाद में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुरेश कोठारी ने गत एक वर्ष की गतिविधियों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की. श्री राजेंद्र लुंकड़, राष्ट्रीय सचिव ने पदाधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया.

शिमोगा में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने 70 से अधिक उपस्थित राज्य पदाधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया.

उदयपुर में राज्य अध्यक्ष श्री सम्प्रति सिंघवी ने अब तक की गयी गतिविधियों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की. राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने उपस्थित राज्य पदाधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया.

तीनों सभाओं में बी.जे.एस. का त्रिमासिक कैलेंडर बनाकर उस पर कार्यरत होने का निश्चय किया गया. प्रत्येक नगर/शहर में बी.जे.एस. के चेप्टर्स प्रारम्भ करने, युवती सक्षमीकरण को बड़े पैमाने पर शैक्षिक संस्थाओं को जोड़ने व अल्पसंख्यक जनजागृति अभियान कार्यक्रमों पर कार्यरत होने हेतु उपस्थित पदाधिकारियों को आव्हान किया गया.

युवती सक्षमीकरण प्रशिक्षक कार्यशालाऐं संपन्न

दिनांक 9 से 12 जून, 2016 को पुणे में भा.जे.स. के राष्ट्रीय सचिव एवं युवती सक्षमीकरण के मुख्य प्रशिक्षक श्री संजय सिंघी, रायपुर ने महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं गुजरात के 35 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षित किया, जिसमें से 25 प्रशिक्षार्थियों का चयन युवती सक्षमीकरण के प्रशिक्षक के रूप में किया गया.

दिनांक 16 से 19 जून, 2016 को युवती सक्षमीकरण के मुख्य प्रशिक्षक एवं श्री राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख तथा राष्ट्रीय सचिव श्री राजेंद्र लुंकड़ ने संयुक्त रूप से कोलेजिएट शिक्षण विभाग, कर्नाटक सरकार एवं बी.जे.एस. मैसूर द्वारा आयोजित युवती सक्षमीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला में 105 प्रशिक्षार्थी जो मैसूर क्षेत्र के विभन्न कालेजों के प्राध्यापक हैं, को प्रशिक्षण प्रदान किया, जिसमें से 70 प्रशिक्षार्थियों का चयन प्रशिक्षक के रूप में किया गया. श्री मोरबड मल्लिकार्जुन, ज्वाइंट निदेशक, कालेजिएट शिक्षण विभाग, मैसूर रीजन, कर्नाटक सरकार की 4 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रेरणास्पद उपस्थिति बनी रही.

कृत्रिम अंग शिविर का आयोजन

बी.जे.एस. दावणगिरी (कर्नाटक) एवं भगवान आदिनाथ प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में रोटरी भवन, दावणगिरी मे 5 जुलाई, 16 को कृत्रिम अंग शिविर आयोजित हुआ, जिसमे 167 अपंग व्यक्तियों ने उपस्थिति दर्ज़ की. 95 का कृत्रिम पैर एवं 5 को कृत्रिम हाथ हेतु चयन कर महावीर लिंब केंद्र, हुबली के विशेषज्ञों द्वारा नाप लिए गए जिन्हें कृत्रिम अंग शीघ्रता-शीघ्र प्रदान कर दिये जाऐंगे.

अनुकरणीय एवं सराहनीय आयोजन का श्रेय दावणगिरी बी.जे.एस. के श्री अशोक श्रीश्रीमाल एवं उनकी टीम को जाता है.

बी.जे.एस. डायलासिस केंद्र का हुआ शुभारंभ

बी.जे.एस. सेलम (तमिलनाडू) एवं प्रियम हॉस्पिटल, सेलम के संयुक्त उपक्रम में दिनांक 14 जुलाई, 16 को सेलम मे डायलासिस केंद्र का शुभारंभ हुआ. गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे किसी भी व्यक्ति का बिना किसी भेदभाव के डायलासिस सेवा प्रदान की जाएगी व दवाईयाँ एक चौथाई दाम पर उपलब्ध कराई जाएगी.यह स्थायी उपक्रम श्री राजेंद्र लुंकड़, श्री ज्ञानचंद आंचलिया के रचनात्मक प्रयास व सेलम भारतीय जैन संघटना नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं के उत्साह का परिणाम है.

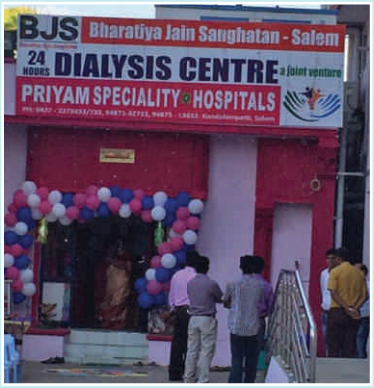

द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम सम्पन्न

JAINA (USA), BJS एवं JITO अहमदाबाद चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में 18 जून से 10 जुलाई, 16 तक आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम अमेरिका में सम्पन्न हुआ. इस आयोजन में भाग लेने हेतु सम्पूर्ण देश से 7 युवतियों एवं 5 युवकों का चयन आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान एवं पंजाब से हुआ. इन 12 युवक/युवतियों की टीम ने न्यूयॉर्क, वाशिंगटन, लॉसएंजिलिस एवं सेंफ्रांसिस्को में 23 दिवसीय इस सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया. दिनांक 1 से 4 जुलाई, 16 को आयोजित हुए YJA Convention में भाग लिया व वहाँ के जैन युवाओं से मिलने व बातचीत करने तथा उनके विचारों एवं आदर्शों को समझने का अवसर प्राप्त किया. सम्पूर्ण भ्रमण के दौरान इन युवक/युवतियों को सभी नगरों में जैन परिवारों में रहकर, उनके रहन-सहन, स्तर, सोच, धर्म व भारतीय संस्कृति का उनके दैनिक जीवन में प्रभाव एवं प्रयोग आदि विषय को समझने व अध्ययन करने के अवसर के साथ विचारों के आदान-प्रदान का अमूल्य अनुभव प्राप्त हुआ.

अल्पसंख्यक सूचनाएँ, गतिविधियाँ एवं समाचार

श्री. अब्बास नकवी का हार्दिक अभिनन्दन

अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली का स्वतंत्र कार्यभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में भारतीय जैन संघटना श्री अब्बास नकवी को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं अभिनन्दन प्रेषित करता है. आशा है आपके कुशल नेतृत्व में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा एवं विकास की नवीन योजनाओं के निर्माण एवं शुभारम्भ से संविधान में अल्पसंख्यकों को प्रदत्त अधिकारों के व्यावहारिक सार्थकताओं के नए युग का सूत्रपात होगा.

आधार कार्ड अब कर दिया गया अनिवार्य

अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने प्रधानमन्त्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के लिए चलाई जा रही उत्थान विकास की विभिन्न योजनाओं में लाभ लेने हेतु आधार कार्ड व उसका लिंक बैंक से होना अनिवार्य कर दिया है.

विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में छात्रवृत्ति आवेदन के इच्छुक विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक ध्यान दें कि आधाकार्ड व उसका बैंक से लिंक न होने की स्थिति में वे आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं कर सकेंगे.

छात्रवृत्ति आवेदन तिथियाँ घोषित हुई

अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली शैक्षणिक वर्ष 2016-17 हेतु छात्रवृत्ति आवेदन कि निम्न तिथियाँ घोषित की गयी हैं:

योजना का नाम	तिथियाँ	कक्षा	आवेदन की पद्धति
प्री-मेट्रिक	15 जुलाई से 31 अक्टूबर	1 से 8	ऑफ-लाईन
	15 जुलाई से 31 अक्टूबर	9 एवं 10	ऑन-लाईन
पोस्ट-मेट्रिक	15 जुलाई से 31 अक्टूबर	सभी के लिए	ऑन-लाईन
	15 जुलाई से 31 जुलाई	11 एवं 12	ऑन-लाईन
मेरिट-कम-मीन्स	15 जुलाई से 31 अक्टूबर	सभी के लिए	ऑन-लाईन

गत वर्ष के छात्रवृत्ति नियम, छात्रवृत्ति राशि, कक्षा 9 व ऊपर के सभी विद्यार्थियों हेतु ऑन-लाईन आवेदन की पद्धति, कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों हेतु ऑफ-लाईन पद्धति में किसी तरह का परिवर्तन नहीं किया गया है.

कक्षा 11 व 12 के विद्यार्थियों को आवेदन हेतु दिए गए मात्र 15 दिन

अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा पोस्ट-मेट्रिक छात्रवृत्ति योजना में कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों हेतु मात्र 15 दिन की अवधि (15 से 31 जुलाई, 2016) निर्धारित की गयी है. इतनी अल्प अवधि निर्धारित करने के क्या कारण हो सकते हैं? अल्पसंख्यक समुदायों के सम्पूर्ण देश के इन विद्यार्थियों को मात्र 15 दिन की अवधि में आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण कर लेना संभव ही नहीं है.

भारतीय जैन संघटना ने दिया प्रतिवेदन

अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को एक प्रतिवेदन 19 जुलाई, 2016 को देकर कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों हेतु निर्धारित की गयी मात्र 15 दिन की अवधि को बढ़ने हेतु प्रार्थना की गयी. आशा है कि अल्पसंख्यक मंत्रालय तिथियों की अवधि बढ़ने हेतु शीघ्र घोषणा करेगा.

शिक्षण संस्थाओं हेतु लुधियाना (पंजाब) में आयोजित हुई कार्यशाला

भारतीय जैन संघटना द्वारा संचालित राष्ट्रस्तरीय "अल्पसंख्यक लाभ जन-जागृति अभियान" के तहत् अल्पसंख्यक समुदायों की शिक्षण संस्थाओं के अधिकार एवं लाभों पर USPC Jain Public School, लुधियाना में 10 जून, 16 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें 30 शिक्षण संस्थाओं के प्रबन्धकर्ताओं ने भाग लिया जिन्हें अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाओं के संवैधानिक अधिकारों, प्रशासनिक लाभों व अल्पसंख्यक दर्ज़ा प्राप्त करने की विधियों से अवगत कराया गया.

छपते छपते छात्रवृत्ति आवेदन हेतु घोषित तिथियों मे हुआ परिवर्तन

अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने परिपत्र क्रमांक F No.9-4/2016-SS दिनांक 21 जुलाई, 16 के अनुसार प्री-मेट्रिक स्कोलरशिप में कक्षा 1 से 10 के विद्यार्थियों व पोस्ट-मेट्रिक स्कोलरशिप में कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों हेतु 31 अगस्त, 16 तक छात्रवृत्ति आवेदन की तिथियाँ खुली रहेंगी. अन्य सभी विद्यार्थियों हेतु पोस्ट-मेट्रिक एवं मेरिट-कम-मीन्स स्कोलरशिप योजनाओं में आवेदन तिथियाँ 31 अक्टूबर तक खुली रहेंगी.

With Best Complements from: Rajesh Devraj Jain, Delhi

Dev Jas Group

Serving since 1970s

Dev Jas Trading Co

Dev Jas IT Solutions

Dev Jas Constructions

Shankeshwar Technocast

S R Metals

S S Coil , Flats , Billets , Round , S. S. Scrap , Ferro Alloys

906, KLJ Tower North, Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi-110034 (India)

Phone: (+91)-11-2735 6906,4500 7251 Mobile : (+91) 98100 36828,93500 41466

Email : sales@devjastrading.com, shankeshwarjain@gmail.com

Delhi Mumbai Ahmedabad Jodhpur Rajkot

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 7th of Every Month
Posted at Market Yard PSO, Pune On-
10th of Every Month

If undelivered Please Return To

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road,
Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website : www.bjsindia.org E mail : info@bjsindia.org Facebook : www.facebook.com/BJSIndiacommunity Tweeter: BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600